आय बढ़ाने वाली अन्य योजनाओं में मिट्टी का स्वास्थ्य कार्ड, नीम की कोटिंग वाली यूरिया, परंपरागत कृषि विकास योजना और प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना शामिल है। इलेक्ट्रॉनिक एग्रीकल्चर मार्केट स्कीम (ई–एनएएम), प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, राष्ट्रीय कृषि विकास योजना, अल्पकालिक कृषि ऋण पर 3 फीसदी ब्याज अनुदान, नेशनल मिशन ऑन ऑयलसीड्स एंड ऑयल पाम और बागवानी के समन्वित विकास का मिशन जैसी योजनाये शामिल है। समिति का दायित्व किसानों की आय दोगुनी करने के लिए व्यावहारिक उपाय सुझाना है, जिन्हें केंद्र और राज्य सरकारों के साथ ही किसानों के लिए भी अपनाना आसान हो।

22. जैविक खेती का राष्ट्रीय केंद्र

यह भारत सरकार के कृषि विभाग का एक अधीनस्थ कार्यालय है। इसका मुख्यालय गाजियाबाद में है। इसका मुख्य उद्देश्य जैविक खेती, किसानों को प्रशिक्षण/जैविक खेती और इसके तकनीकों के प्रचार के लिए जैविक उत्पादकों और वर्मीकम्पोस्ट पर प्रशिक्षण/कौशल विकास प्रशिक्षण का नियमित प्रमाण– पत्र पाठ्यक्रम आयोजित करना है।

23. बागवानी के विकास के लिए मिशन

बागवानी के विकास के लिए मिशन की स्थापना 2014–15 से 2018–19 तक 2380.49 हेक्टेयर का अतिरिक्त क्षेत्र ग्रीन हाउस संरचनाओं जैसे पॉलीहाउस में लाया गया है। इस योजना के तहत पॉलीहाउस के निर्माण के लिए सहायता प्रदान की जाती है जो पौधों को प्रतिकूल जलवायु परिस्थितियों से बचाता है साथ ही साथ उत्कृष्ट गुणवत्ता के साथ अधिक उत्पादन प्राप्त करने के लिए उचित मात्रा में प्रकाश, तापमान, आर्द्रता, कार्बन–डाइ ऑक्साइड आदि प्रदान करता है।

निष्कर्ष

भारत सरकार का मुख्य उद्देश्य किसानों की आय को बढ़ाना है। इन सभी योजनओं के अंतिम लाभार्थी हमारे कृषक भाई है। जैविक एवं पारंपरिक कृषि को बढ़ावा देकर मिट्टी की गुणवत्ता को बरकरार रखते हुए उसके उत्पादन क्षमता में वृध्धि की जा सकती है। ये सभी योजनाएं प्राकृतिक संसाधन आधारित टिकाऊ कृषि प्रणाली को बढ़ावा देती हैं एवं साथ ही साथ मिट्टी की उर्वरता को बनाए रखने में भी मदद करता है। प्राकृतिक संसाधन संरक्षण, कृषि–पोषक पोषक रीसाइक्लिंग को बढ़ाता है और बाहरी आदानों पर किसानों की निर्भरता को कम करता है।

इस मिट्टी से तिलक करो

आशुतोष उपाध्याय

(१)

इस मिट्टी से तिलक करो, इस मिट्टी पर कर लो अभिमान
यह मिट्टी हम सबको देती है, पोषण हेतु भरपूर खाद्यान्न
बीज जब बोया जाता है, पाता मिट्टी व जल का साथ
फूटता है अंकुर उससे, सिर पर ले धरती माँ का हाथ
धरती माता होती है प्रफुल्लित, देकर अंकुर को जीवन दान
इस मिट्टी से तिलक करो, इस मिट्टी पर कर लो अभिमान

(२)

अंकुर, जड़, तना, डाली, पत्ते, फल और फूल
इन सबके विकास में, मिट्टी का योगदान मूल
जड़ द्वारा पौधा लेता है, जल व पोषक तत्व
पोषक तत्वों से है, स्वस्थ पौधों का अस्तित्व
यह मिट्टी हम सबकी माँ है, न कभी करना इसका अपमान
इस मिट्टी से तिलक करो, इस मिट्टी पर कर लो अभिमान

(३)

स्वस्थ रहे यह धरा हमारी, हम सबकी है जिम्मेदारी
जितने शोषित हों पोषक तत्व, उतने मिलाएं हर बारी
समय समय पर करायें जांच, कमियों का करें आभास
नमी का भी रखें ध्यान, अच्छे उत्पादन की रखें आस
इसके स्वास्थ्य का रखो ख्याल, यह पोषक तत्वों की खान
इस मिट्टी से तिलक करो, इस मिट्टी पर कर लो अभिमान

(४)

नाइट्रोजन, फास्फोरस और पोटाश, हैं मूल पोषक तत्व
कैल्शियम, मैग्नीशियम और गंधक, हैं गौण पोषक तत्व
जस्ता, तांबा, बोरान, लोहा, मैग्नीज, मोलिब्डेन, क्लोरीन, निकल
इनकी संतुलित मात्रा आवश्यक, करने को पौधों का विकास सकल
वर्मी कम्पोस्ट के सदुपयोग से, बढ़ाओ तुम मिट्टी की शान
इस मिट्टी से तिलक करो, इस मिट्टी पर कर लो अभिमान

(५)

जीव जंतु इस पर हैं पलते, सबको यह आश्रय देती है
चरने को देती हरी घास, चारा फसलों को प्रश्रय देती है
नहीं रखती किसी से बैर भाव, सबको देती ममता की छाँव
शहरों में यह दुर्लभ हो रही, अब इसको केवल भाते हैं गाँव
इस मिट्टी की यह इच्छा है, सदा पहने रहे हरित परिधान
इस मिट्टी से तिलक करो, इस मिट्टी पर कर लो अभिमान

(६)

जल और वायु से निरंतर, हो रहा है मृदा का क्षरण
हम सबका यह उत्तरदायित्व, बचाएं धरा का आवरण
कीटनाशकों का अधिक प्रयोग कर, न फैलाएं प्रदूषण
न ही लोभी लालची बनकर, करें इस मिट्टी का शोषण
यह मिट्टी पोषक है जगत की, है ईश्वर का अनुपम वरदान
इस मिट्टी से तिलक करो, इस मिट्टी पर कर लो अभिमान

प्रधान वैज्ञानिक, भूमि एवं जल प्रबंधन प्रभाग, भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद का पूर्वी अनुसन्धान परिसर, पटना